05 दिवसीय बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान (FLN)
तथा
01 दिवसीय विद्यालय सुरक्षा (School Safety)

जनपद स्तरीय एम.टी प्रशिक्षण प्रथम चक्र

(दिनांक 16 से 21 अगस्त 2023)

प्रशिक्षण आख्या

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बड़कोट (उत्तरकाशी)

बुनियादी साक्षरता व संख्या ज्ञान (FLN) व विद्यालय सुरक्षा जनपद स्तरीय संदर्भदाता प्रशिक्षण

प्रथम चक्र दिनांक 16–21 अगस्त 2023

प्रथम दिवस (प्रथम चक्र) आख्या दिनांक 16.8.23

प्रातः 10:00 बजे सभी लोग डायट बड़कोट उत्तरकाशी के बहुउद्देश्शीय हाल में एकत्रित हो गये थे। सभी लोगो का स्वागत व QR code के माध्यम से सभी लोगों ने स्कैन कर ग्रुप ज्वाइन किया साथ ही साथ चाय समोसे का आनंद लिया उसके बाद के.आर.पी विनोद राणा जी ने ग्रुप में एक निपुण एन्थम प्रतिज्ञा व निपुण प्रेरणा गीत भेजा। इस सारी प्रक्रिया के दौरान बेकग्राउण्ड में निपुण एंथम बज रहा था।

11 बजे तक सभी दूर दराज स्थित स्थलों से आने वाले प्रतिभागी पहुचँ चुके थे। के. आर.पी महोदय जी द्वारा सभी लोगो को खड़े होने को कहा और निपुण गीत और प्रतिज्ञा के. आर. पी. विनोद राणा जी द्वारा करवाई गई। उसके पश्चात प्राचार्य संदीप निगम जी द्वारा कार्यक्रम का उद्घाटन सरस्वती माता की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात प्राचार्य जी द्वारा उद्बोधन भाषण में 5 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण की सार्थकता के सन्दर्भ में निर्देश दिये की प्रशिक्षण की सफलता व सार्थकता तभी मानी जायेगी जब हम सब मिलकर इसको समय व गतिविधियों को जोड़कर एक दूसरे के अनुभवों को शामिल कर रोचक व रुचिकर बनायेंगे। इस प्रशिक्षण को आपके द्वारा सफलतापूर्वक पूर्ण करना है। आप लोग समय से आ रहे होगे और समय से जा रहे होगे।

यह प्रशिक्षण 05 दिवसीय बुनियादी साक्षरता व संख्या ज्ञान [FLN] पर व 01 दिन विद्यालय सुरक्षा पर होगा। जनपद के प्रत्येक शिक्षक यह प्रशिक्षण को लेना अनिवार्य है।

विद्यालय सुरक्षा वाला प्रशिक्षण जूनियर स्कूल के अध्यापको को भी दिया जाना है।

प्रशिक्षण 10 बजे से 5 बजे तक चलेगा। प्रशिक्षण की सार्थकता तब मानी जायेगी जब ग्राउण्ड लेवल पर बच्चों तक इसे पहुॅचाया जाय।

व्यवस्थाओं से सम्बन्धी बातचीत में प्रशिक्षण स्थल की साज सज्जा व बेनर पोस्टर बैठक व्यवस्था ICT की व्यवस्था व उसके उपयोग से समय पर व अपने विद्यालय के अनुभवों को शामिल करते हुए सार्थक बनाने होगें।

उसके पश्चात के.आर.पी राणा जी द्वारा Pretest का लिंक online group में भेजा गया। प्रतिभागियों का परिचय व प्रीटैस्ट साथ–साथ चला। सभी प्रतिभागियो ने एक दूसरे का परिचय नाम, पद स्थापना, स्थल–मूल निवास स्थान, FLN में कब से जुडें 4 बिन्दुओं पर दिया। इतने में सभी लोगो ने प्री –टैस्ट पूरा कर लिया। उसके बाद प्रशिक्षण के प्रभावी संचालन के सामान्य नियम समूह द्वारा तय किये गये। जिसमे निम्न बिन्दु निकलकर आये।

- समय का पालन करेगें।
- फोन साइलेंट रखेंगें।
- समय से आयेंगे तथा समय से जायेंगे।
- अनावश्यक चर्चाओं को नहीं करेंगे।

- चर्चा में निकले बिन्दुओं को नोट करेगें और ब्लॉक स्तरीय ट्रैनिंग में बेहतर प्रर्दशन करेगें आदि।

सुगमकर्ता खजान सिंह जी ने अपनी बात खूबी व समझ के साथ रखने की बात कही।
सुगमकर्ता श्रीमती सुषमा महर मैडम जी ने एक गतिविधि करवाई जिसमे उन्होंने एक दो तीन चार क्रम के साथ हाथों के मूवमेंट व मूवमेंट के स्टेप व ध्यान एकाग्रता बढ़ाने को करवाया।
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं पूर्व शैक्षिक ढ़ाचा –
सुगमकर्ता संदीप निगम द्वारा – हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता 2026–27 तक साक्षरता और संख्या ज्ञान को प्राप्त करने का टारगेट रखा है। कार्यक्रम की रूपरेखा स्वरूप और प्रवीणता के लिए बात रखी।
उत्तराखण्ड में बाल वाटिका की शुरूआत 12 जुलाई 2022 को हुई।
नई शिक्षा नीति के अनुसार बच्चों की आयु के अनुसार नये व पुराने ढ़ाचें को PPT के माध्यम से समझाया।
पहले **10+2** था अब 5+3+3+4 हो गया है। उसके बाद उत्त्राखण्ड तथा जनपद उत्तरकाशी की NAS की रिपोर्ट तथा FLN बेस लाइन सर्वे के आधार पर राज्य तथा जनपद की शैक्षिक स्थिति को रखते हुए सीखने के प्रतिफलों पर चर्चा की।
दो साल आंगनबाडी, एक साल बालवाटिका तथा कक्षा–1 व कक्षा–2 पांच साल की फाउंडेशन अवस्था है।
N.E.P. 2020 कार्यक्रम की तीसरी वर्षगांठ 29 जुलाई 2023 को मनायी गई, जिसके अन्तर्गत माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा बालवाटिका का जो अवलोकन किया गया उस पर चर्चा की गई तथा मातृ–भाषा में शिक्षण कार्य किये जाने पर विशेष बल दिया गया। उसके बाद निपुण भारत मिशन के उद्देश्यों के ऊपर सविस्तार चर्चा की गई। जिससे 3 से 9 साल के सभी बच्चे अधिगम कर सके। बच्चे समझ के साथ पढना उद्देश्य के साथ लिखना तथा संख्यात्मक ज्ञान सीख सकें। निपुण भारत के लक्ष्यों के अन्तर्गत
विकासात्मक लक्ष्य –
बच्चे अच्छा स्वास्थ्य व स्वच्छता बनाये रखें **(HW)**
बच्चों का संप्रेषण प्रभावी हो। **(EC)**
बच्चे काम से जुड़े रहने वाले शिक्षार्थी बनें और अपने निकटतम परिवेश से जुड़े रहें। **(IL)**
निपुण मिशन के लक्ष्य – अकादमिक प्रयास
टी0एल0एम0 को अब एल0टी0एल0 लर्निंग टीचिंग मटेरिअल (अधिगम शिक्षण सामग्री) हो गया है।
आप के विद्यालयों में आरोही पुस्तक जिसे कक्षा–1 में सीधे प्रवेश लेने वाले छात्र के लिये विकसित की गई है। जिसमें तीन माह का पाठ्यक्रम बनाया गया है।
निपुण भारत लक्ष्य के अर्न्तगत बाल वाटिका में अक्षरों और सम्बन्धित ध्वनियों की पहचान कम से कम दो से तीन अक्षरों वाली ध्वनियों को पहचानना।
दस तक के अंको को पहचानना और पढ़ पाना।
वस्तुओं/आकृतियों, घटनाओं को क्रम में व्यवस्थित करना निर्धारित है।
Grade 1- आयु उपयुक्त अज्ञात पाठ में कम से कम 4–5 सरल शब्दों से युक्त छोटे वाक्य पढ़ता है।

99 तक की संख्याएं पढ़े और लिखे सरल जोड़ और घटाव करें।
Grade 2- उचित गति धारा प्रवाह पठन एवं अर्थ के साथ पढ़े 40 से 60 शब्द प्रति मिनट समझ के साथ पढ़ पाना।
99 से 999 तक की संख्याएं पढ़ना 99 तक संख्याएं घटाना।
Grade 3- 60 शब्द प्रति मिनट समझ के साथ पढ़ पाना।
9999 तक की संख्याएं पढ़े और लिखे तथा सरल गुणन कर पाये।
उसके बाद निपुण भारत अभियान के प्रभाव पर बात की गई–

भोजन अवकाश –

भोजनाअवकाश के बाद 3.00 बजे सभी साथी वापस प्रशिक्षण कक्ष में एकत्रित हुए। सुगमकर्ता डा0 जगदीश सिंह रावत जी द्वारा झूला कविता हाव–भाव के साथ कराई गई। उसके बाद खजान जी द्वारा प्रारम्भिक बाल्यावस्था में देखभाल और शिक्षा विषय पर चर्चा की गई।
NCFFS पर चर्चा की गयी। उसमें हर शब्द को कैसे विशलेषित किया गया। इस दस्तावेज को एक बार ध्यान से जरूर पढ़े। यदि आपने इसे ठीक से समझ लिया है तो हमें बच्चों को समझने व शिक्षण प्रक्रिया को करवाने में सहजता व आनंद आयेगा।
आरंभिक स्तर पर शिक्षण के सिद्धांतो को समझना अनिवार्य है।
सुगमकर्ता खजान जी ने NCFFS की विषय सूची के एक–एक बिंदु के ऊपर फोकस किया गया।
पंचकोष विकास– अन्नमय कोष, प्राणमय कोष, मनोमय कोष, विज्ञानमय कोष, आंनदम कोष पर ppt के माध्यम से चर्चा की गई।

बुनियादी साक्षरता के घटक –

- मौखिक भाषा का विकास
- ध्वनि बोध
- डीकोडिंग चित्र बोध अक्षर/मात्रा ज्ञान, शब्द पढना
- शब्द भण्डार
- धारा प्रवाह पठन
- समझ
- लेखन,
- पढ़ने की आदत

सुगमकर्ता डा0 जगदीश जी ने एक कविता सुनायी उसके बाद बुनियादी साक्षरता क्या है?
जिसमें सभी प्रतिभागियों में सविस्तार चर्चा परिचर्चा हुई जिसमें प्री–प्राईमरी पर चर्चा करते हुए रावत जी ने कहा की बुनियादी साक्षरता के लिए हमें हर स्तर पर आयु के अनुसार मौखिक भाषा के विकास हेतु क्रम से बढ़ना चाहिए।
ममता मैम ने प्रश्न उठाया कि असल बुनियादी साक्षरता किसे कहेंगे, उसकी शुरूआत कहां से करेगें? इसके समाधान पर सुगमकर्ता खजान जी ने अपने पक्ष रखे जिससे लगभग सभी लोग संतुष्ट थे।

इसके बाद भटवाड़ी विकासखण्ड से विनीत भट्ट सर ने सदन को अपने अनुभव बताये कि **जिस प्रकार घर बनाने के लिए ईंट, पत्थर, सीमेंट आदि आवश्यक सामग्री की आवश्यकता होती है। वैसे ही हमें किसी विषय वस्तु को समझने के लिए शब्द कोष का संग्रह करना होगा।**

उसके बाद व्यापक साक्षरता के मुख्य तीन स्तंभ पर चर्चा हुई। जिसमें–

- मौखिक भाषा का विकास
- ऑर्थोग्राफिक निपुणता (अक्षर, ध्वनि सह सम्बन्ध)
- विविध प्रकार की पठन साम्रगी का एक्स्पोजर

अन्त में निगम जी द्वारा सभी लोंगो को भोजन व्यवस्था व रहने की व्यवस्था के बारे में बातचीत की गई। 5 बजकर 15 मिनट पर प्रथम दिवस की समाप्ति की गई।

समूह– भटवाड़ी विकासखण्ड

द्वितीय दिवस (प्रथम चक्र) आख्या दिनांक 17.08.23

द्वितीय दिवस FLN प्रशिक्षण की शुरुआत दिनांक 17.08.23 को निपुण प्रेरण गीत– **अब जाग जरा और खोल नयन** से श्रीमान निगम सर व विकासखण्ड़ भटवाड़ी के M.T. शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं तथा समस्त M.T. शिक्षक एवं शिक्षिकाओं द्वारा सामूहिक रूप से गाया गया। निपुण प्रतिज्ञा श्री विनीत भट्ट जी द्वारा प्रस्तुत की गई।

इसके पश्चात K.R.P. अमित सर द्वारा प्रथम दिवस की पुनरावृत्ति कि गई।

जिसमें **विकास खण्ड–मोरी** द्वारा NEP-2020 पर पुनरावृत्ति की गई।

विकासखण्ड–पुरोला द्वारा निपुण भारत मिशन के विकासात्मक लक्ष्य कौन–कौन से हैं? पर पुनरावृत्ति की गई।

विकासखण्ड–नौगांव द्वारा NEP-2020 का नया शैक्षिक ढ़ॉचा क्या है? इसकी पुनरावृत्ति की गई।

विकासखण्ड– चिन्यालीसौड़ द्वारा आरोही विद्या प्रवेश मॉडयूल से आप क्या समझते है? पर पुनरावृत्ति की गई।

विकासखण्ड– डुण्डा द्वारा बाल वाटिका से आप क्या समझते हैं? पर पुनरावृत्ति की गई।

विकासखण्ड– भटवाडी द्वारा मौखिक भाषा विकास से आप क्या समझते हैं? पर पुनरावृत्ति की गई।

तत्पश्चात् सुगमकर्ता श्री खजान सर द्वारा बुनियादी साक्षरता के 8 आयामों पर चर्चा की गई एवं K.R.P. सुगमकर्ता श्री विनोद राणा सर द्वारा एक गतिविधि करवाई गई। जिसमे प्रत्येक विकासखण्डों को एक टॉपिक दिया गया। जिसको हर विकासखण्ड ने सांकेतिक भाषा द्वारा प्रस्तुत करना था और अन्य ग्रुपों को सांकेतिक भाषा को समझना था और उसका जवाब देना था।

इसके पश्चात् सुगमकर्ता डा0 जगदीश रावत जी द्वारा बुनियादी साक्षरता सामग्री का परिचय और FLN शिक्षक संदर्शिका के बारे में जानकारी दी गई। साथ में चाय का भी आनंद लिया गया।

सुगमकर्ता डा0 रावत जी द्वारा बुनियादी साक्षरता के साप्ताहिक/वार्षिक व दैनिक समय सारणी पर चर्चा की गई। इसके बाद सुगमकर्ता सुषमा मैम जी द्वारा निपुण भारत की फुल फार्म एवं मौखिक भाषा क्या है? पर चर्चा की गई। सभी समूहों को मैपिंग प्रारूप पर सप्ताहवार प्रस्तुतिकरण करने को कहा गया। जिस पर सभी ग्रुपों ने अपनी प्रस्तुति दी। इसके पश्चात् K.R.P. श्री विनोद राणा जी द्वारा आनन्दम् गतिविधि की गई।

इसके बाद ध्वनि जागरूकता क्या है? ध्वनि जागरूकता क्यों जरूरी है? ध्वनि जागरूकता कैसे विकसित करे? पर चर्चा की गई। इसके बीच में श्री खजान सर द्वारा ध्वनि अक्षर का सम्बन्ध बनाती है, पर प्रकाश डाला गया। इसके बाद श्री राणा जी द्वारा गतिविधि करने के लिये दो–दो ग्रुप में एक–एक टॉपिक दिया गया। भटवाड़ी एवं नौगांव विकासखण्ड को ध्वनि को जोड़ना, मोरी और चिन्यालीसौड़ विकासखण्ड को ध्वनियों को तोड़ना, पुरोला और डुण्डा को ध्वनि जागरूकता टॉपिक दिये गये। सभी ग्रुपों द्वारा प्रस्तुतिकरण किया गया।

इसके बाद लंच का आनंद लिया गया।

लंच के बाद सुगमकर्ता अंजना संजवाण मैम जी द्वारा दोनों हाथों एवं दोनों पैरो की गतिविधि करवायी गई जो इस प्रकार थी– **पहले दायें हाथ से अपना नाम लिखना, बॉयें हाथ से अपना नाम लिखना फिर दोनों हाथो से अपना नाम लिखना.... फिर दायें पैर से अपना नाम लिखना, बॉयें पैर से अपना नाम लिखना फिर दोनों पैरों से अपना नाम लिखना....।**

इस पर चर्चा भी की गई। किसमें दिक्कत आ रही थी?

इसके पश्चात सुगमकर्ता डा0 रावत जी द्वारा अक्षर ज्ञान क्या है? अक्षर ज्ञान क्यों जरूरी है? अक्षर ज्ञान कैसे सिखायें? पर चर्चा की गई।

तत्पश्चात् सभी समूहों को अक्षर ज्ञान कैसे सिखाये पर गतिविधि दी गई जिस पर सभी समूहों ने प्रस्तुतिकरण दिया। इसके बाद सुगमकर्ता श्री विनोद राणा जी द्वारा बंदूक ताली/हंसना रोना गतिविधि करवायी गई। इसके पश्चात् सुगमकर्ता श्री खजान सर द्वारा शब्द भण्डार क्या है? शब्द भण्डार क्यों जरूरी है? शब्द भण्डार कैसे सिखाये पर चर्चा कि गई। जिसमे खजान सर जी द्वारा तीन टियर की जानकारी दी गई।

टियर–1 आंख

टियर–2 नयन

टियर–3 चक्षु आदि।

अनेक शब्दो पर चर्चा हुई जिनको टियर वाइज़ लिखना था।

उपरोक्त शब्दो से यह निष्कर्ष निकल कर आया है कि जो शब्द हमारे परिवेश से जुड़ा रहता है उन शब्दों का प्रयोग अधिकतम होता है। जो शब्द हमारे परिवेश से नहीं जुड़े होते है, उन शब्दों का प्रयोग कम होता है।

तत्पश्चात् ठीक शाम 5 बजे श्रीमान निगम सर द्वारा द्वितीय दिवस की समाप्ति की गई।

विकासखण्ड– मोरी

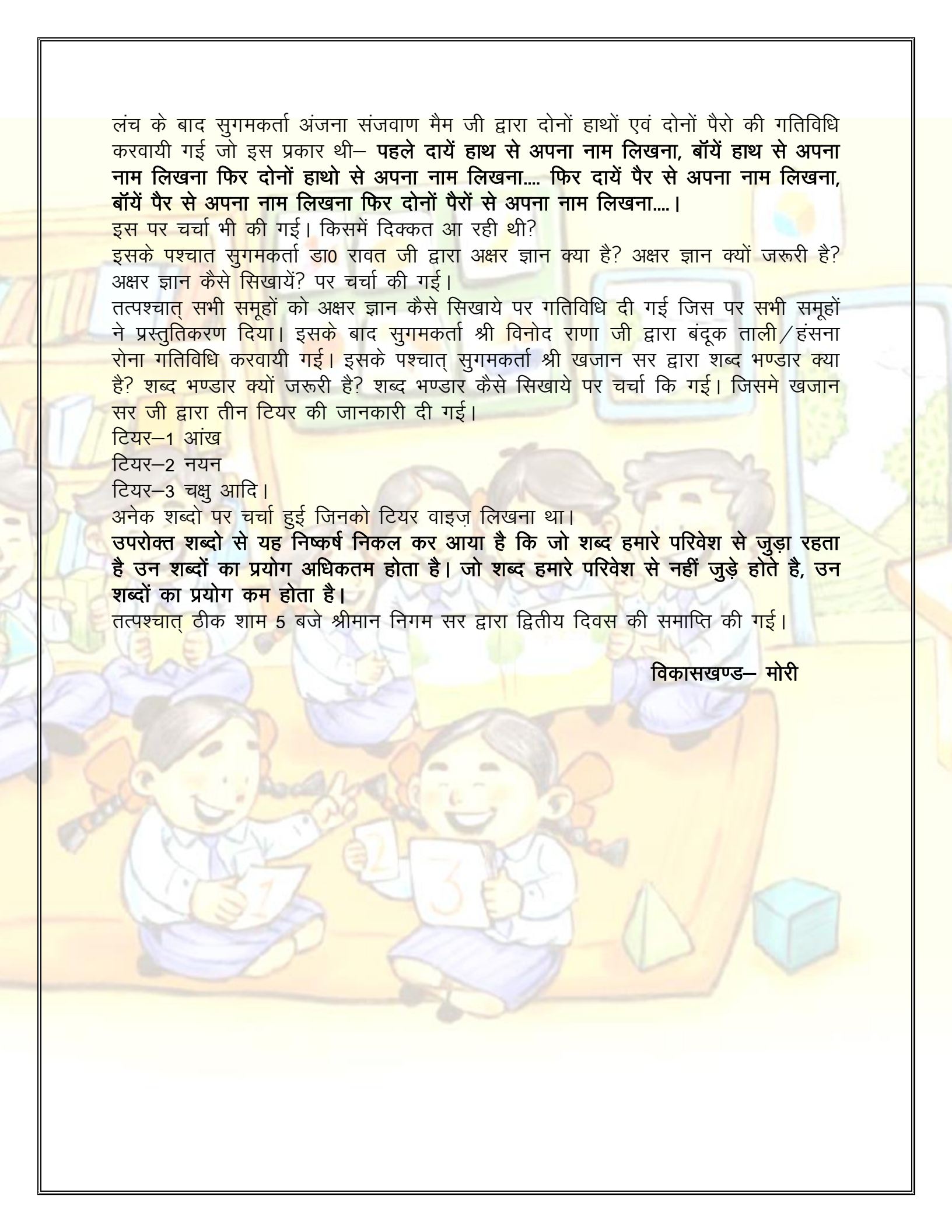

तृतीय दिवस (प्रथम चक्र) आख्या दिनांक 18.08.23

आज दिनांक 18.08.23 को FLN प्रशिक्षण के तृतीय दिवस का शुभारंभ डायट बड़कोट के सभागार में, **प्रभुजी दया करो प्रार्थना से हुआ।** उसके बाद निपुण प्रेरणा गीत एवं निपुण प्रतिज्ञा करायी गई। तदुपरांत ब्लॉक मोरी द्वारा द्वितीय दिवस की आख्या पढ़ी गई, एवं पुनरावृत्ति की गयी।

पूर्व दिवस के पुनरावर्तन के बाद नये सत्र का आरम्भ हुआ। भाषा कौशल के महत्वपूर्ण घटक **धारा प्रवाह पठन** पर बातचीत की गई। धारा प्रवाह पठन की परिभाषा, आवश्यकता एवं इसके विभिन्न स्तरों पर भी बातचीत की गई एवं विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से धारा प्रवाह पठन कौशलों की समझ पर चर्चा की गई। ततपश्चात् जलपान का सूक्ष्म अवकाश हुआ।

चाय के पश्चात् **पठन** हेतु छात्रों को प्रेरित करने एवं उनके पाठन अभ्यास को बढ़ावा देने हेतु अधिक से अधिक अभिव्यक्ति के अवसर देने की सार्थकता पर विचार रखे गये।

पुनः **धारा प्रवाह पठन** के कौशलों पर प्रकाश डाला गया। पाठ को समझ के साथ पढ़ने, प्रभावी गति और हाव–भाव के साथ–साथ उसके अर्थ निर्माण के विषय में भी परिचर्चा सम्पन्न हुई।

ततपश्चात् श्री खजान सिंह सर द्वारा एक दिलचस्प गतिविधि कराई गयी जो भोजन पर आधारित थी। श्री खजान जी द्वारा सरवेश्वर दयाल सक्सेना की **बाल कविता– इब्न बतूता पहन के जूता का को हाव भाव के साथ** करायी गयी। जिसका सभी ने सुंदर अनुकरण किया।

सुगमकर्ता श्री विनोद राणा जी द्वारा अगले सत्र में विभिन्न गतिविधियों द्वारा भाषा कौशलो एवं घटकों पर पुनः विचार किया गया। इसी क्रम में लेखन विषय के उद्देश्यों, परिभाषा पर परिचर्चा सम्पादित कि गई। साथ ही स्वतंत्र लेखन के विभिन्न प्रकारों के यथा–

- विवरणात्मक लेखन,
- प्रक्रियात्मक लेखन एवं
- रचनात्मक लेखन के महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर बातचीत की गई।

अगले सत्र में **पुस्तकालय पढ़ने की अभिरूचि के विकास और स्वतंत्र पठन पर प्रकाश डाला गया।** इस उपविषय को समझाने हेतु श्री खजान सिंह जी ने एक बहुत ही सुंदर चित्रकथा को प्रोजेक्टर के माध्यम से दिखाया जिसका शीर्षक था **गधे पर सवार पुस्तकालय।**

चित्र कथा बहुत प्रभावी ढंग से बच्चों में पाठकीय अभिरूचि पढ़ने के नियमित अभ्यास की तरफ संकेत करती है।

ततपश्चात् सभी शिक्षको से पुस्तकालीय सम्बन्धित अनेक अनुभव आमंत्रित किये गये। सभी ने महत्वपूर्ण अनुभव साझा किये। पुस्तकालय हेतु शिक्षकों की भूमिका इत्यादि पर बातचीत की गई।

इस सत्र के बाद दोपहर के भोजन हेतु अवकाश दिया गया।

भोजनावकाश के पश्चात् सभी ने विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लिया।

शाम की चाय के बाद के सत्र में **आकलन विषय एवं उसकी सतत् प्रक्रिया** पर K.R.P. श्री विनोद राणा द्वारा परिचर्चा की गई। इसी क्रम में प्रगति ऐप की जानकारी हम सब से साझा की गई।

डॉ0 जगदीश रावत जी ने आकलन एवं मूल्यांकन में अंतर स्पष्ट किया।
अंतिम सत्र में सभी समूहों द्वारा बुनियादी साक्षरता को विकसित करने वाले आठ घटकों को सम्मिलित करते हुए एक–एक पाठ योजना को चार्ट पर तैयार कर प्रस्तुतिकरण किया गया। पाठय पुस्तक रिमझिम से सम्बन्धित यह प्रस्तुति बहुत सुंदर व सार्थक थी। सभी समूहों द्वारा पाठो की सुंदर प्रस्तुतियों के पश्चात् आज के अंतिम सत्र का समापन हुआ।

विकासखण्ड– डुण्डा उत्तरकाशी

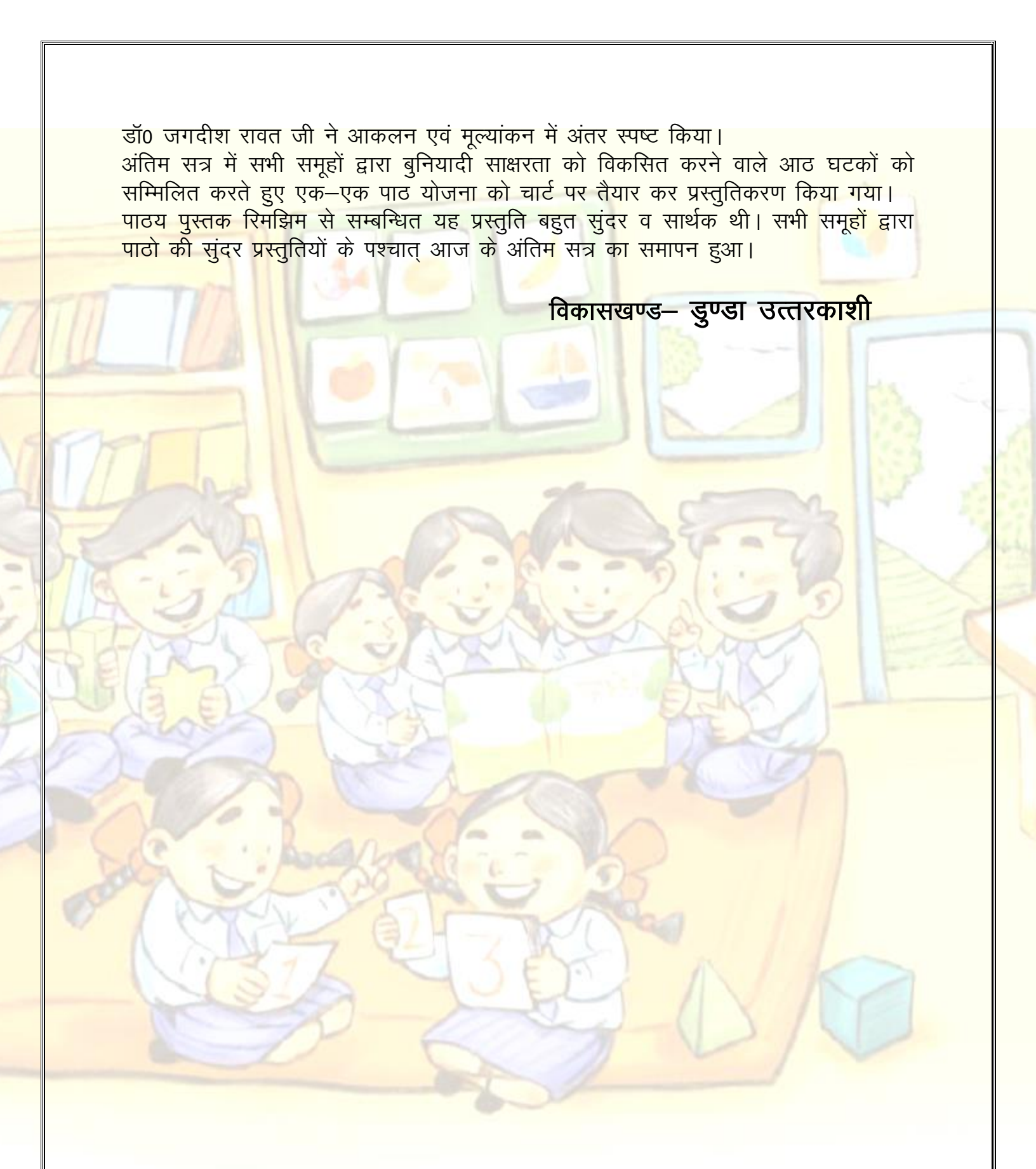

चतुर्थ दिवस (प्रथम चक्र) दिनांक 19.08.023

FLN प्रशिक्षण के चतुर्थ दिवस का शुभारम्भ डुण्डा विकास खण्ड के प्रतिभागियों द्वारा **ईश वन्दना तू ही राम है.....**से प्रारम्भ कर, निपुण प्रेरणा गीत व निपुण प्रतिज्ञा के साथ व सपना भट्ट जी द्वारा गत (तृतीय दिवस) की आख्या का वाचन के साथ किया गया। तत्पश्चात् समूह द्वारा आनन्दम् की एक गतिविधि भी करवायी गयी।

सत्र का प्रारम्भ सुगमकर्ता श्रीमती अंजना सजवाण द्वारा **गणितीय सम्प्रेषण** (Mathamatical Communication) सम्बोध (Topic) से प्रारम्भ कर निपुण भारत के फुल फार्म व हिन्दी अर्थ सदन को बताया गया तथा निपुण भारत के प्रत्येक पहलू को छूने का प्रयास कर सदन में चर्चा परिचर्चा भी की गई।

सुगमकर्ता श्रीमती अंजना सजवाण जी द्वारा, बुनियादी संख्या ज्ञान के मुख्य घटक गणितय सम्प्रेषण, आकार व स्थानिक समझ, सम्प्रेषण गणित में क्यों आवश्यक है? पर सदन से अपने–अपने विचार आमंत्रित कर सदन में गहन चर्चा परिचर्चा की गई।

ठीक साढ़े गयारह बजे चर्चा के साथ साथ चाय का आनन्द भी लिया गया। तत्पश्चात् डायट सुगमकर्ता संदीप निगम जी द्वारा **सम्बोध– आकार व स्थानिक समझ** समझाया जाने का प्रयास किया गया।

इसी बीच **शिक्षा निदेशक (प्रारम्भिक) श्री रामकृष्ण उनियाल जी** का आगमन प्रशिक्षण हॉल में हुआ। सभी प्रतिभागीयों द्वारा उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया गया, आदरणीय उनियाल जी द्वारा सभी प्रतिभागियो का उत्साहवर्धन कर एफ0एल0एन0 के उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु अध्यापकों की भूमिका को अहम बताते हुए अपने कार्य को मेहनत व लगन से करने का संदेश दिया गया। दूसरे माड्यूल **आकार एवं स्थानिक समझ** पर आकृति आधारित एक गतिविधि की गई जिसमें हॉल में रखी वस्तुओं की सूची बनाने के बाद उन्हें गणितीय आकृति से जोड़ने को कहा गया। छात्रों को आकार, आकृति की समझ, स्थानिक समझ, भार की तुलना करना कैसे सिखाऐं इस हेतु **काल्पनिक गेंद की गतिविधि करायी गई**, जिसमें गेंद की आकृति, आकार को बदल कर प्रतिभागी के पास उछाल कर देना है, कैच करने वाला प्रतिभागी उसी एक्शन के साथ गेंद को पकड़ेगा। पुनः अन्य साथी को उछाल कर देगा।

गतिविधि के पश्चात् काल्पनिक गेंद की गतिविधि पर चर्चा की गई। कौन सी गेंद सबसे मजेदार लगी? किस गेंद को पकड़ना आसान लगा? किस गेंद को पकड़ना मुश्किल था? गेंद और कितने प्रकार की हो सकती हैं?

अगली गतिविधि के अन्तर्गत क्ले तथा रंगीन कागज के द्वारा विभिन्न प्रकार की गणितीय आकृतियों का निर्माण समूह में कराया गया।

इसके बाद भोजन अवकाश हुआ।

भोजन पश्चात् सभी प्रतिभागी प्रशिक्षण हॉल में उपस्थित हुए, तथा सत्र का पुनः प्रारम्भ निगम जी द्वारा 6Es (Teaching Plan) पर आधारित प्रत्येक समूह को अलग–अलग टॉपिक देकर प्रस्तुतिकरण करने के लिए कहा गया। सभी समूहों द्वारा आकार व स्थानिक समझ पर सुंदर प्रस्तुतिकरण किया गया।

निगम जी द्वारा सम्बोध का समेकन– विभिन्न आकृतियों पर बनी एक सुंदर कविता– **चार भुजाओं की बंद आकृति चारों भुजा समान चारों कोण 90^0 वर्ग उसी का नाम से किया गया।**

उसके बाद के0आर0पी0 श्री अमित राणा द्वारा **संख्यापूर्व अवधारणा** पर एक–एक की संगति, तुलना, वर्गीकरण, अनुक्रम पर सदन में विस्तृत बातचीत की गई तथा सदन में निम्न बिन्दुओं पर अपने विचार आमंत्रित किये गये। प्रतिभागियों द्वारा संख्यापूर्व अवधारणा की समझ विकसित करने हेतु कविता द्वारा व विभिन्न गतिविधि पर गहन चर्चा/परिचर्चा की गई। के0आर0पी0 अमित राणा जी द्वारा स्थानिक समझ व स्थानीय मान में अन्तर पर जोरदार चर्चा की गई। सुगमकर्ता श्रीमती अंजना सजवाण मैम द्वारा अवधारणा को स्पष्ट किया गया।

के0आर0पी0 अमित राणा द्वारा सम्बोध का समेकन करते हुए Pre Number Concept को गणित का आधार बताया गया। अंत में श्री निगम जी द्वारा यात्रा भत्ता प्रपत्र सभी प्रतिभागीयो को बांट कर सत्र के समापन की घोषणा की गई। ठीक 5 बजे सभी प्रतिभागी अपने अपने गन्तव्य की ओर चल दिये।

विकासखण्ड– पुरोला

पंचम दिवस (प्रथम चक्र) दिनांक 20.08.23

दिनांक 20.08.23 को विकास खण्ड–पुरोला के द्वारा सदन में सर्वप्रथम प्रार्थना– **सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु.....**से प्रारम्भ किया गया। इसके बाद निपुण प्रेरणा गीत व निपुण प्रतिज्ञा सदन में बहुत अच्छी प्रकार से प्रस्तुत की गई। इसके बाद श्री रमेश चन्द्र बड़ोनी सर द्वारा एक कहानी गधे की पूरे सदन को सुनायी गयी। जिससे शिक्षा मिलती है– कि हमें लोगों की परवाह किये बिना अपना कार्य करना चाहिए। इसके बाद रिकैप प्रश्नों पर श्री विनीत भट्ट व सुगमकर्ता खजान सर द्वारा स्थानिक समझ के प्रश्नों पर चर्चा व अपनी सहमति दी गई। श्री विनित भट्ट द्वारा 2डी 3डी ज्यामिति को समझाया गया और सदन ने अच्छे प्रकार से सुना। आगे के सत्र में के0आर0पी श्री विनोद राणा जी द्वारा सदन में प्रश्न रखा गया कि **हमारे विद्यालय कब निपुण बनेगे?** जिस पर सदन में अपने उत्तर दिये है। उसके बाद गणित के सत्र में सुगमकर्ता श्रीमती संजवान मैम ने (Pre Number Concept) पर चर्चा को सदन में प्रभावी तरीके से रखा। उसके बाद का टॉपिक संजवाण मैम का **बच्चे गिनना कब व कैसे सीखेगे**? सदन में प्रत्येक विकासखण्ड द्वारा अपने तर्क को सदन में रखा गया। उसके बाद मैम द्वारा भी सदन में अपने तर्क रखे। उसके बाद सुगमकर्ता संजवान मैम द्वारा कक्षा एक में लर्निंग आउटकम्स के माध्यम से एक प्रश्न सदन में रखा जिसके विभिन्न परिस्थितियों पर सदन में चर्चा एवं परिचर्चा हुई है। जीरो प्रश्न के सम्बन्ध में के0आर0पी अमित सर द्वारा व कैलाश सर द्वारा सदन में खूब चर्चा–परिचर्चा हुई। उसके बाद सुगमकर्ता अमित सर द्वारा दो अंकीय संख्याओं के आधार पर गतिविधि करवाई गई। जिसमें सदन में रूचि पूर्ण रूप से प्रर्दशन किया। उसके बाद लंच हो गया था।

लंच के बाद निगम सर द्वारा एक गतिविधि करवायी गई। उसके बाद 6Es पर एक एक Lesson Plan बनवाया गया। जिसे प्रत्येक समूह द्वारा प्रस्तुत किया गया।

चिन्यालीसौड़ विकासखण्ड से श्रीमती ममता कोठारी जी द्वारा अपने समूह द्वारा तैयार पाठ योजना सदन में प्रस्तुत की गयी। उसके चाय का आनंद लिया गया।

अंक प्रणाली पर सुगमकर्ता अमित सर द्वारा बहुत अच्छे विचार रखे गये। सुगमकर्ता निगम जी द्वारा ऊर्जा वर्धक गतिविधि जो व्यायाम पर आधारित थी करायी गयी। सभी एम0टी0 के लोगो ने गतिविधि का भरपूर आनंद लिया।

सुगमकर्ता अमित सर द्वारा **दो अंकीय संख्याओ के योग व घटाव के सम्बोध** पर प्रभावी रूप से विचार रखे तथा सदन में चर्चा– परिचर्चा की।

निगम सर तथा विनोद राणा सर एक गतिविधि करवायी गई, जिसमें दो अंक वाले आगे–पीछे अंक थे, **उदाहरण 63, 36** थे। इन दो अंको का मिलान करके जोड़ा बनाना था। इसमें सदन में स्थानीय मान के आधार पर अंकों की पहचान करना समझाया गया तथा इकाई, दहाई की अवधारणा को स्पष्ट किया गया। उसके बाद एक गतिविधि शिक्षण योजना निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण जो विकासखण्डवार किया गया। सुगमकर्ता अंजना सजवाण मैडम द्वारा बतया गया कि आप गिनमाला के माध्यम से भी इकाई, दहाई के बारे में बच्चों को समझा सकते हैं। इसी प्रकार सभी समूहों ने अपनी–अपनी गतिविधियों को चार्ट व गणित किट के माध्यम से समझाया।

सुगमकर्ता अमित शाह सर ने दो अंकीय संख्याओं का योग से सम्बन्धित प्रश्न पूछे जिनका उत्तर सदन द्वारा मिला, फिर सत्र का उद्देश्य बताया कि प्रतिभागी समूहीकरण की अवधारणा का उपयोग करके दो अंकों की अवधारणा को स्पष्ट कैसे करें?

सुगमकर्ता अमित शाह जी, विनोद राणा तथा संदीप निगम द्वारा अधिकतम योग पर एक गतिविधि कराई गई, जिसमें एक प्रतिभागी के ऑखों में पट्टी बॉधकर अपने समूह के साथी द्वारा दिये निर्देश के अनुसार जमीन में रखी अंकों की अधिकतम पॉच पर्ची को एक मिनट में उठाना था। जिस समूह में उठाई गई पर्चियों का योग अधिकतम होगा वह समूह विजेता होगा।

सुगमकर्ता संदीप निगम द्वारा डाटा का रखरखाव पर सदन में अपनी बात रखी और सदन में चर्चा व परिचर्चा करते रहे। उसके बाद प्रत्येक ग्रुप को चार्ट देकर डाटा को पिक्टोरियल रूप में तथा पिक्टोरियल को अंकीय रूप में अलग–अलग Task देकर चार्ट बनवाकर प्रत्येक समूह का प्रस्तुतिकरण करवाया गया।

ततपश्चात् सत्र का समेकन किया गया। पंचम दिवस के समापन की घोषणा की गई।

विकासखण्ड– चिन्यालीसौड़

षष्ठम् दिवस (प्रथम चक्र) <u>की आख्या</u> दिनांक 21.08.2023

बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के षष्ट्म दिवस का प्रारंभ विकासखण्ड–चिन्यालीसौड़ के द्वारा– **तुम में ओम मुझ में ओम प्रार्थना से शुरू किया गया उसके पश्चात निपुण प्रेरणा गीत और निपुण प्रतिज्ञा के साथ पंचम दिवस के बुनियादी संख्या ज्ञान के घटकों की पुनरावृत्ति** प्रत्येक विकासखण्डों द्वारा चर्चा की गई।

सुगमकर्ता संदीप निगम द्वारा विद्यालय सुरक्षा के अन्तर्गत बचाव और सुरक्षा पर चर्चा की गई। छात्र का घर से विद्यालय आना, विद्यालय में तथा विद्यालय से घर तक पहुॅचने में बचाव व सुरक्षा की आवश्यकता होती है। विद्यालय में भी तमाम जगहों पर बच्चों की सुरक्षा की जरूरत पड़ती है यथा– पानी के स्थान पर, भोजन बनाने के स्थान, भोजन करने के स्थान, शौचालय, प्रार्थना के समय, खेलने के समय, चहार दिवारी न होने पर/अधूरी होने पर, बिजली के स्विच खुले होने पर, बिजली के तार कटे होने पर, धारदार/नुकीली चीजें होने पर, आग, कॉच की टूटी चीजे होंने पर, फर्नीचर के टूटे होने पर, विद्यालय परिसर में बिजली के खम्भे होने पर आदि।

विद्यालय में स्वास्थ्य और स्वच्छता– शारीरिक स्वास्थ्य, सामाजिक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक स्वास्थ्य।

सुगमकर्ता विनोद राणा जी द्वारा Wash

(WA- Water, S- Sanitisation, H- Higiene) की जानकारी दी गई।

मनोसामाजिक पहलू– सत्र के उद्देश्य औचित्य के साथ–साथ पाठ्यचर्या के निरूपण और आदान–प्रदान में बच्चों की भागीदारी किस रूप में दिखती है?

शिक्षार्थी–शिक्षार्थियों के आपसी सम्बन्ध कैसे? शिक्षक–शिक्षार्थियों के बीच सम्बन्ध कैसे?

सामाजिक अस्मिताओं–जाति, लिंग, धर्म, क्षेत्रीयता, वर्ग, भाषा, भेदभाव या शोषण दिखते है?

विद्यालयी प्रक्रियाऐं– भय और दण्ड पर विचार, आपके सम्बोधन किस तरह के है?

प्रार्थना सभा को समावेशी कैसे बनाया जाय?

M.D.M के समय सहयोग की भावना कैसे?

विद्यालयी वातावरण को भयमुक्त कैसे बनाया जा सकता है?

शिक्षकों/प्रधानाध्यापकों के उत्तरदायित्व एवं निगरानी तथा अभिभावकों, समुदाय, S.M.C. के सहयोग पर चर्चा हुई।

उसके पश्चात् प्राचार्य श्रीमान निगम जी द्वारा बड़कोट श्री संतोष सिंह कुवंर एस0एच0ओ0 थाना बड़कोट का प्रशिक्षण हॉल में स्वागत किया। श्री संतोष सिंह कुवंर जी द्वारा अपनी टीम का परिचय में ट्राफिक एस0आई0 श्री वीरेन्द्र पवांर जी, राजेश जी एस0डी0आर0एफ0 इंचार्ज और और एस0डी0आर0एफ0 की टीम तथा पुलिस बल के सदस्य थाना अध्यक्ष कुंवर जी द्वारा अपने जीवन संघर्ष का वृतांत सुनाया गया। नशा मुक्ति के विषय पर जागरूकता, नशा मुक्ति पर उन्होंने एक मूवी उड़ता पंजाब के माध्यम से पंजाब के युवाओं का उदाहरण दिया। अच्छे स्वास्थ्य के लिए तीन चीजों का होना– अच्छा स्वास्थ्य, दृढ़ इच्छा शक्ति और ईमानदारी बहुत जरूरी है। श्री संतोष सिंह कुवंर जी द्वारा विशेष आग्रह किया गया कि विद्यालय में एक कक्षा स्वास्थ्य जागरूकता की होनी चाहिए, श्री वीरेन्द्र पवांर जी द्वारा ट्रैफिक नियमों की जानकारी दी गई जिसमें तीन चीज आवश्यक है। इंजीनियरिंग, एजुकेशन और इंप्लीमेंट। एस0डी0आर0एफ0 इंचार्ज के द्वारा आपदा के कारण तथा बचाव के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया तथा प्रैक्टिकल जानकारी दी गई, घायल अवस्था में व्यक्ति को ले जाने के अलग–अलग तरीके बताए गए। दो दण्डों तथा कम्बल के द्वारा स्टेचर कैसे बनाया जाता है? बनाकर दिखाया।

तत्पश्चात सुगमकर्ता श्री अमित राणा जी द्वारा मापन की समझ पर विस्तारित रूप से प्रत्येक ग्रुप के द्वारा अपने अनुभव बताए गए।

सत्र समापन के पश्चात पोस्ट टेस्ट कराया गया तथा निगम सर द्वारा फीडबैक भी लिया गया।

अंत में डाइट के प्राचार्य श्री पंकज शर्मा जी द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए तत्पश्चात प्राचार्य जी के द्वारा बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान तथा निपुण भारत पर जोर देते हुए निपुण भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सभी प्रतिभागियों से सफल बनाने का प्रयास करने को कहा इसी के साथ छह दिवसीय प्रशिक्षण के समापन की घोषणा की गई।

विकासखण्ड– नौगांव

जनपद स्तरीय FLN तथा विद्यालयी सुरक्षा एम0टी0 प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने वाले शिक्षकों की सूची प्रथम चक्र दिनांक (16–21 अगस्त 2023)

क.सं.	नाम शिक्षक	पद	विषय	विद्यालय	विकासखण्ड
1.	राजेश रावत	स.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि. गुणगा	भटवाड़ी
2.	धर्मेन्द्र सिंह	स.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि. विगजोली	
3.	प्रमिला	स.अ.	गणित	रा.प्रा.वि. साड़ा	
4.	विनीत भट्ट	स.अ.	गणित	रा.प्रा.वि. गिन्डा	
5.	चन्द्र प्रकाश डिमरी	स.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि. हुर्री	
6.	कृष्ण कुमार	स.अ.	हिन्दी	रा.आ.प्रा.वि. मुस्टिकसौड़	
7.	गंगा सिंह भण्डारी	स.अ.	गणित	रा.प्रा.वि. पुराना रिख्वाड़	डुण्डा
8.	जयबीरसिंहअसवाल	स.अ.	गणित	रा.प्रा.वि. वीरपुर	
9.	नवीन चन्द्र कुड़ियाल	स.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि. दुगड	

10.	सपना भट्ट	स.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि. चरगड्डी	
11.	भूपेन्द्र सिंह भट्ट	स.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि. डुण्डा बाजार	
12.	प्रियंका गौढ़	स.अ.	गणित	रा.प्रा.वि. भेरूधार	
13.	आशीष कुमार	स.अ.	गणित	रा.प्रा.वि. बणगॉव	चिन्यालीसौड़
14.	दीन दयाल	स.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि. कोट	
15.	राजपालसिंहभण्डारी	स.अ.	गणित	रा.प्रा.वि. पीपलखंडा	
16.	इन्द्रभूषण नौटियाल	स.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि. पुजारगॉव	
17.	प्रवीन परमार	स.अ.	गणित	रा.प्रा.वि. बनोट	
18.	ममता कुठारी	स.अ.	हिन्दी	रा.आ.प्रा.वि. बड़ेथी	
19.	कैलाश रौन्टा	स.अ.	गणित	रा.प्रा.वि. नरयूँका	नौगॉव
20.	निशी अग्रवाल	स.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि. नौगॉव, गॉव	
21.	विजय शर्मा	स.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि. गुलाड़ी	
22.	रमेश चन्द	स.अ.	गणित	रा.प्रा.वि. सुकण	
23.	संजीव सिंह नेगी	स.अ.	गणित	रा.प्रा.वि. ठोलिंका	
24.	सरोज बौरियाण	स.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि. कंसोला	
25.	रमेश चन्द्र	स.अ.	गणित	रा.प्रा.वि. नौरी	पुरोला
26.	चमन लाल	स.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि. कुरुड़ा	
27.	भवानी प्रसाद	स.अ.	गणित	रा.प्रा.वि. कन्ताड़ी	
28.	सन्दीप राणा	स.अ.	गणित	रा.प्रा.वि. उद्कोटी	
29.	राजकुमार	स.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि. पुरोला	
30.	सुनील कुमार	स.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि. बसन्त नगर	
31.	राजेश कुमार	स.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि. गुराड़ी	मोरी
32.	कुलदीप लाल मौर्य	स.अ.	गणित	रा.प्रा.वि. हलाई	
33.	गंगा स्वरूप	स.अ.	गणित	रा.प्रा.वि. खेड़मी	
34.	नरेश कुमार	स.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि. बैनोल	

ए0पी0एफ0 प्रतिभाग सदस्यों का विवरण

प्रथम चक्र दिनांक (16–21 अगस्त 2023)

क.सं.	नाम	पद	विषय	संस्थान	विकासखण्ड
1.	वर्षा शर्मा	R.P.			भटवाड़ी
2.	उर्वशी	R.P.			भटवाड़ी
3.	रिया तिवारी	R.P.			डुण्डा
4.	ओम त्रिपाठी	R.P.			चिन्यालीसौड

5.	विशालदास	R.P.		अजीम प्रेमजी फाउन्डेशन	चिन्यालीसौड
6.	कमलेश गौड़	R.P.	गणित		नौगॉव
7.	प्रकाश चन्द	R.P.	हिन्दी		नौगॉव
8.	श्वेता	R.P.	गणित		नौगॉव
9.	भानु प्रताप	R.P.	हिन्दी		पुरोला
10	रविन्द्र सिंह	R.P.	गणित		पुरोला
11.	बाबू राम	R.P.	गणित		मोरी

SDRF तथा FIRE TEAM सूची

प्रथम चक्र दिनांक (16–21 अगस्त 2023)

क्र.सं.	नाम	पद	कार्यालय
1.	श्री सन्तोष सिंह कुँवर	S.H.O.	थाना बड़कोट
2.	श्री वीरेन्द्र पंवार	Traffic S.I.	बड़कोट
3.	राजेश कुमार	S.D.R.F	बड़कोट
4.	अनमोल सिंह	S.D.R.F	बड़कोट
5.	अनिल रावत	Police	बड़कोट

6.	आशीष भण्डारी	S.D.R.F	बड़कोट
7.	सुरेन्द्र सिंह	S.D.R.F	बड़कोट
8.	संजय कुमार	Police	बड़कोट
9.	मोहन सैनी	Police	बड़कोट
10.	संदीप पंवार	S.D.R.F	बड़कोट

के0आर0पी0 विवरण

प्रथम चक्र दिनांक (16–21 अगस्त 2023)

क्र.सं.	नाम	पद	विषय	विद्यालय/संस्थान	विकासखण्ड
1.	श्री अमित शाह	स.अ.	गणित	रा.आ.प्रा.वि. कफनौल	नौगॉव
2.	श्री विनोद सिंह राणा	स.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि. सिंगुणी	
3.	श्री जगदीश सिंह रावत	स.अ.	हिन्दी	रा.आ.प्रा.वि. बड़कोट	
4.	श्रीमती सुषमा महर	प्रवक्ता	हिन्दी	डायट बड़कोट	
5.	श्रीमती अंजना सजवाण	प्रवक्ता	गणित	डायट बड़कोट	
6.	श्री संदीप निगम	प्रवक्ता	गणित	डायट बड़कोट	
7.	श्री खजान सिंह	R.P.	हिन्दी	अजीम प्रेमजी फाउन्डेशन	भटवाड़ी

समय सारिणी

6 दिवसीय सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण प्रथम चक्र (दिनांक 16 अगस्त से 21 अगस्त 2023)

बुनियादी साक्षरता एवं संख्याज्ञान (FLN) तथा विद्यालय सुरक्षा

दिवस/सत्र	प्रथम (समय- 10:00 से 11:30 am)	चाय अन्तराल (समय-	द्वितीय (समय- 11:50 से 01:20 pm)	भोजन अन्तराल (समय-	तृतीय (समय- 01:50 से 03:20 pm)	चाय अन्तराल (समय- 03:20	चतुर्थ (समय- 03:4 05:0 pm

प्रथम	उद्घाटन, परिचय, प्री-टेस्ट	11:30 से 11:50 am)	NEP,निपुण भारत, FLN और SCF-FS	01:20 से 01:50 pm)	बुनियादी साक्षरता : समग्रता में, FLN अधिगम सामग्री का परिचय	से 03:40 pm)	मौखिक भाषा विकास
द्वितीय	रिकैप, ध्वनि जागरूकता,		वर्ण ज्ञान		शब्द भण्डार, धाराप्रवाह		समझ, लेखन
तृतीय	रिकैप, कक्षा आकलन स्वतंत्र पठन एवं पुस्तकालय की अवधारणा (continue)		....स्वतंत्र पठन एवं पुस्तकालय की अवधारणा		सन्दर्भ दाता द्वारा समग्रता में भाषा कालांश का प्रदर्शन		छोटे समूहों द्व समग्रता में भा कालांश का प्रद
चतुर्थ	रिकैप, गणितीय संप्रेषण		आकार एवं स्थानिक समझ		संख्या पूर्व अवधारणा		अंको की समझ अंकीय संख्याओ का योग
पंचम	रिकैप,दो अंकीय संख्याओं का योग		संबोध - घटाव		डाटा का रख रखाव		मापन की समझ
षष्ट	रिकैप, विद्यालयी सुरक्षा : एक परिचय, बच्चों के सन्दर्भ में विद्यालय की आधारभूत सरंचना सम्बन्धी खतरे और उनसे बचाव		विद्यालय में स्वास्थ्य और स्वच्छता		विद्यालय सुरक्षा : मनो-सामाजिक पहलू		विद्यालय सुर शिक्षकों/ संस्थाध्यक्षों के उत्तरदायित्व ए मॉनिटरिंग

धन्यवाद